एम.ए. हिन्दी, उत्तरार्द्ध (तृतीय सेमेस्टर)
(सत्र 2009–10 से प्रभावी)

पूर्णांक : 100
समय : 3 घंटे

प्रश्न–पत्र 10(1) कबीरदास
निर्देश :

1. समूचा पाठ्यक्रम चार खण्डों में विभक्त है – (क) सन्दर्भ सहित व्याख्या (ख) आलोचनात्मक प्रश्न (ग) लघूत्तरी प्रश्न (घ) वस्तुनिष्ठ प्रश्न ।
2. खण्ड–क सन्दर्भ सहित व्याख्या से संबंधित है। व्याख्यार्थ निर्धारित पुस्तक कबीर ग्रन्थावली, सम्पादक : श्यामसुन्दर दास, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी, सम्पूर्ण साखियाँ एवं रमैणी में से छः अवतरण दिए जाएंगे, जिनमें से तीन अवतरणों की व्याख्या करनी होगी । यह खण्ड 30 (3 X 10) अंकों का होगा।
3. खण्ड–(ख) आलोचनात्मक प्रश्नों से संबंधित है। निर्धारित कवि कबीरदास और उनकी वाणी पर आधारित एवं पाठ्य विषयों में से छह आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। यह खण्ड 45 (3 X 15) अंकों का होगा ।
4. खण्ड–(ग) लघूत्तरी प्रश्नों से संबंधित है। पाठ्यक्रम में निर्धारित कवि और उनकी वाणी (कबीर ग्रन्थावली) पर आधारित दस प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से पांच प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक उत्तर लगभग 250 शब्दों का होगा। इस खण्ड के लिए 15 (5 X 3) अंक निर्धारित है।
5. खण्ड–(घ) वस्तुनिष्ठ प्रश्नों से संबंधित है। कबीरदास और उनकी वाणी कबीर ग्रन्थावली पर आधारित दस वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। इस प्रश्न में कोई विकल्प नहीं होगा। इस खण्ड के लिये 10 (1 X 10) अंक निर्धारित है।

व्याख्या हेतु निर्धारित पाठ्य ग्रन्थ

कबीर ग्रन्थावली : श्यामसुन्दर दास, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी (सम्पूर्ण साखियाँ एवं रमैणी)

आलोचनात्मक एवं लघूत्तरी प्रश्नों के लिए निर्धारित विषय

सन्तकाव्य : परम्परा और प्रवृत्तियां, कबीर के अध्ययन की आधार–सामग्री, कबीर का जीवन–वृतान्त, कबीर का युग और व्यक्तित्व, कबीर की शिष्य परम्परा, उत्तर–भारत की संत–परम्परा और कबीर, कबीर की अनुभूति के प्रेरणा–स्रोत, प्रामाणिक साहित्य और प्रतिपाद्य विषय, कबीर का समाज चिन्तन, कबीर का मानवतावाद, कबीर के राम, कबीर की दार्शनिक विचारधारा, भक्ति–भावना और रहस्यदर्शिता ।

संदर्भ सामग्री :

1. हिन्दी की निर्गुण काव्यधारा और कबीर; राजदेव सिंह, आलेख प्रकाशन, दिल्ली 1980
2. कबीर : आधुनिक सन्दर्भ में, राजदेव सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद 1971
3. कबीर साहित्य की परख, परशुराम चतुर्वेदी, भारती भण्डार, प्रयाग 1954
4. कबीर की विचारधारा, गोबिन्द त्रिगुणायत, साहित्य निकेतन, कानपुर 1957
5. कबीर : व्यक्तित्व, कृतित्व एवं सिद्धान्त, सरनाम सिंह शर्मा, भारतीय शोध संस्थान, जयपुर, 1969
6. कबीर–दर्शन, डॉ. दीनदयाल गुप्त, हिन्दी–विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय, 1961
7. कबीर–मीमांसा, रामचन्द्र तिवारी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद 1976
8. कबीरपंथ : साहित्य, दर्शन एवं साधना, उमा ठुकराल, हिन्दी बुक सेन्टर, दिल्ली, 1998
9. सन्त साहित्य : पुनर्मूल्यांकन, राजदेव सिंह, आर्य बुक डिपो, नई दिल्ली 1973
10. सन्तों की सहज साधना, राजदेव सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद 1976

एम.ए. हिन्दी, उत्तरार्द्ध (तृतीय सेमेस्टर)
(सत्र 2009–10 से प्रभावी)

पूर्णांक : 100
समय : 3 घंटे

प्रश्न–पत्र 10(।।) तुलसीदास

निर्देश :

1. समूचा पाठ्यक्रम चार खण्डों में विभक्त है – (क) सन्दर्भ सहित व्याख्या (ख) आलोचनात्मक प्रश्न (ग) लघूत्तरी प्रश्न (घ) वस्तुनिष्ठ प्रश्न ।
2. खण्ड–(क) सन्दर्भ सहित व्याख्या से संबंधित है। व्याख्यार्थ निर्धारित पुस्तक (रामचरितमानस) के नियत अंशों में से छह अवतरण पूछे जाएंगे, जिनमें से तीन अवतरणों की व्याख्या करनी होगी । यह खण्ड 30 (3 X 10) अंकों का होगा।
3. खण्ड–(ख) आलोचनात्मक प्रश्नों से संबंधित है। निर्धारित कवि तुलसीदास और उनकी कृतियों पर आधारित एवं पाठ्य विषयों में से छह आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। यह खण्ड 45 (3 X 15) अंकों का होगा ।
4. खण्ड–(ग) लघूत्तरी प्रश्नों से संबंधित है। पाठ्यक्रम में निर्धारित कवि और उनकी कृतियों पर आधारित एवं पाठ्य विषयों में से दस प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से पांच प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक उत्तर लगभग 250 शब्दों का होगा। इस खण्ड के लिए 15 (5 X 3) अंक निर्धारित हैं।
5. खण्ड–(घ) वस्तुनिष्ठ प्रश्नों से संबंधित है। तुलसीदास और उनकी कृति (रामचरितमानस) पर आधारित दस वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। इन प्रश्नों में कोई विकल्प नहीं होगा। इस खण्ड के लिए 10 (1 X 10) अंक निर्धारित है।

व्याख्या हेतु निर्धारित पाठ्य–ग्रन्थ

1. रामचरितमानस, तुलसीदास, गीता प्रेस, गोरखपुर ।
   (केवल अयोध्याकाण्ड)

आलोचनात्मक एवं लघूत्तरी प्रश्नों के लिए निर्धारित पाठ्य विषय

तुलसी का प्रामाणिक साहित्य, रामचरितमानस : प्रतिपाद्य, नामकरण और उद्देश्य, विनयपत्रिका : नामकरण और उद्देश्य, तुलसी और उनका युग–परिदृश्य, लोकतात्त्विक दृष्टि, सांस्कृतिक बोध, भक्ति भावना, मानस का महाकाव्यत्व, तुलसी द्वारा प्रयुक्त अन्य काव्य–रूप : मुक्तक, गीत, लोकगीत ।

सन्दर्भ–सामग्री :

1. तुलसी काव्य–मीमांसा, उदयभानु सिंह, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ 1964
2. तुलसी और उनका युग : राजपति दीक्षित, ज्ञानमण्डल लिमिटेड, वाराणसी 1953
3. तुलसीदास : चन्द्रबली पाण्डेय, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी 1957
4. तुलसी मानस–रत्नाकर : भाग्यवती सिंह, सरस्वती बुक सदन, आगरा 1952
5. तुलसी–दर्शन, बलदेव प्रसाद मिश्र, हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग 1967
6. गोस्वामी तुलसीदास : रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी 1972
7. तुलसी : नवमूल्यांकन, रामरत्न भटनागर, स्मृति प्रकाशन, इलाहाबाद 1971
8. तुलसी : उदयभानु सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली, 1974
9. गोंसाई तुलसीदास : विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, वाणी वितान प्रकाशन, वाराणसी, 1965
10. संभावना (तुलसी विशेषांक), हिन्दी विभाग, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र

एम.ए. हिन्दी, उत्तरार्द्ध (तृतीय सेमेस्टर)
(सत्र 2009–10 से प्रभावी)

पूर्णांक : 100
समय : 3 घंटे

प्रश्न–पत्र 10(।।।) सूरदास
निर्देश

1. समूचा पाठ्यक्रम चार खण्डों में विभक्त है। – (क) सन्दर्भ सहित व्याख्या (ख) आलोचनात्मक प्रश्न (ग) लघूत्तरी प्रश्न (घ) वस्तुनिष्ठ प्रश्न ।
2. खण्ड–(क) सन्दर्भ सहित व्याख्या से संबंधित है। व्याख्यार्थ निर्धारित पुस्तक सूरसागर–सार (विनय तथा भक्ति, गोकुल–लीला, वृंदावन–लीला, राधा–कृष्ण) में से छह अवतरण दिए जाएंगे, जिनमें से तीन अवतरणों की व्याख्या करनी होगी। यह खण्ड 30 (3 X 10) अंकों का होगा।
3. खण्ड–(ख) आलोचनात्मक प्रश्नों से संबंधित है। निर्धारित कवि सूरदास और उनकी कृतियों पर आधारित एवं निर्धारित पाठ्य विषयों में से छह आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। इस खण्ड के लिए 45 (3 X 15) अंक निर्धारित है।
4. खण्ड–(ग) लघूत्तरी प्रश्नों से संबंधित है। पाठ्यक्रम में निर्धारित कवि और उनकी कृतियों पर आधारित एवं पाठ्य विषयों में से दस प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से पांच प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक उत्तर लगभग 250 शब्दों का होगा। इस खण्ड के लिए 15(5 X 3) अंक निर्धारित है।
5. खण्ड–(घ) वस्तुनिष्ठ प्रश्नों से संबंधित है। सूरदास और उनकी कृतियों पर आधारित दस वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। इस प्रश्न में कोई विकल्प नहीं होगा। इस खण्ड के लिए 10(1 X 10) अंक निर्धारित है।

व्याख्या हेतु निर्धारित पाठ्य ग्रन्थ

सूरसागर–सार : धीरेन्द्र वर्मा, साहित्य भवन प्रा.लि., इलाहाबाद (विनय तथा भक्ति, गोकुल–लीला, वृन्दावन–लीला, राधा–कृष्ण)

आलोचनात्मक एवं लघूत्तरी प्रश्नों के लिए निर्धारित पाठ्य विषय

कृष्णभक्ति काव्य : परम्परा और प्रवृत्तियाँ, सूरदास का प्रामाणिक जीवन–वृत्त जन्मान्धता का प्रश्न, सूरसागर : प्रतिपाद्य और मौलिकता, साहित्यलहरी : प्रतिपाद्य और प्रामाणिकता, सूरसारावली : प्रतिपाद्य और प्रामाणिकता, सूर की भक्ति–भावना, दार्शनिक चेतना, सौन्दर्य–दृष्टि, श्रृंगार वर्णन, वात्सल्य–वर्णन, प्रकृति चित्रण, ब्रज संस्कृति एवं लोकतत्त्व ।

संदर्भ सामग्री :

1. सूर साहित्य : हजारीप्रसाद द्विवेदी, हिन्दी ग्रंथ रत्नाकर, बम्बई 1956
2. महाकवि सूरदास : नन्ददुलारे वाजपेयी, आत्माराम एण्ड सन्स, दिल्ली 1952
3. सूरदास : ब्रजेश्वर वर्मा, हिन्दी परिषद, प्रयाग विश्वविद्यालय, 1950
4. सूरदास : हरवंशलाल शर्मा, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली 1972
5. सूरदास : रामचन्द्र शुक्ल, सरस्वती मंदिर, बनारस 1949
6. सूरकाव्य में लोक दृष्टि का विश्लेषण, मीरा गौतम, निर्मल पब्लिकेशन्स दिल्ली 2000
7. सूर–सौरभ : मुंशीराम शर्मा 'सोम' आचार्य शुक्ल साधना मंदिर दिल्ली 1953
8. संभावना (सूर विशेषांक) हिन्दी विभाग, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र 1981

एम.ए. हिन्दी, उत्तरार्द्ध (तृतीय सेमेस्टर)
(सत्र 2009–10 से प्रभावी)

पूर्णांक : 100
समय : 3 घंटे

प्रश्न–पत्र 10(IV) रीतिकाल

निर्देश :

1. समूचा पाठ्यक्रम चार खण्डों में विभक्त है।–(क) सन्दर्भ सहित व्याख्या (ख) आलोचनात्मक प्रश्न (ग) लघूत्तरी प्रश्न (घ) वस्तुनिष्ठ प्रश्न ।
2. खण्ड–(क) सन्दर्भ सहित व्याख्या से संबंधित है। व्याख्यार्थ निर्धारित पाठ्य पुस्तक (रीतिकाव्यधारा–प्रथम 6 कवि : 1. केशवदास, 2. बिहारी, 3. मतिराम, 4. भूषण, 5. घनानन्द, 6. शेख आलम) में से छः अवतरण दिए जाएंगे, जिनमें से तीन अवतरणों की व्याख्या करनी होगी। इस खण्ड के लिए 30 (3 X 10) निर्धारित हैं।
3. खण्ड–(ख) आलोचनात्मक प्रश्नों से संबंधित है। आलोचनात्मक प्रश्नों के लिए निर्धारित पाठ्य विषयों में से छः प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से किन्हीं तीन का उत्तर देना होगा। इस खण्ड के लिए 45 (15 X 3) अंक निर्धारित हैं।
4. खण्ड–(ग) लघूत्तरी प्रश्नों से संबंधित है। यहाँ चिन्तामणि, भिखारीदास, शेख आलम, बोधा, ठाकुर (पाँच) कवियों का द्रुतपाठ अपेक्षित है। प्रत्येक कवि पर दो–दो प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से पाँच प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक उत्तर लगभग 250 शब्दों का होगा। इस खण्ड के लिए 15(5 X 3) अंक निर्धारित हैं।
5. खण्ड–(घ) वस्तुनिष्ठ प्रश्नों से संबंधित है। पाठ्यपुस्तक (रीतिकाव्यधारा) पर आधारित दस वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाऐंगे। इस प्रश्न में कोई विकल्प नहीं होगा। इस खण्ड के लिए 10(1X10) अंक निर्धारित है।

व्याख्या हेतु निर्धारित पाठ्यग्रन्थ

रीतिकाव्यधारा; रामचन्द्र तिवारी एवं रामफेर त्रिपाठी; विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।

आलोचनात्मक प्रश्नों के लिए निर्धारित पाठ्य विषय

रीतिकाल : नामकरण एवं सीमांकन; रीतिकाल की परिस्थितियाँ; रीतिकालीन काव्य की सामान्य प्रवृत्तियां; रीतिकाव्य के मूल स्रोत; रीति कवियों का आचार्यत्व, रीतिकाव्य में लोकजीवन;
रीतिबद्ध काव्यधारा : परम्परा और विशेषताएँ;
रीतिसिद्ध काव्यधारा : परम्परा और विशेषताएं। रीतिकालीन वीर काव्य; रीतिकालीन भक्तिकाव्य; रीतिकालीन नीतिकाव्य; रीतिकाल में शृंगार वर्णन; रीतिकाव्य में प्रकृति चित्रण; नारीभावना; रीतिकालीन शतक–काव्य परम्परा;

संदर्भ सामग्री :

1. किशोरीलाल; रीतिकवियों की मौलिक देन, साहित्यभवन प्रा.लि.; इलाहाबाद (1971)
2. देवराज; रीतिकालीन काव्य सिद्धान्त; चौखम्बा विद्याभवन वाराणसी, संवत् 2025
3. महेन्द्र कुमार; रीतिकालीन रीति–कवियों का काव्य शिल्प; आर्य बुक डिपो; दिल्ली (1978)
4. मनेन्द्र पाठक; रीतिशास्त्र के प्रतिनिधि आचार्य; ईस्टर्न बुक लिंकर्स; दिल्ली (1974)
5. रमेश कुमार शर्मा; शृंगारकाल का पुनर्मूल्यांकन; आर्य बुक डिपो; दिल्ली (1978)
6. रामकुमार वर्मा; रीतिकालीन साहित्य का पुनर्मूल्यांकन; साहित्य भवन; इलाहाबाद (1984)
7. रामदेव शुक्ल; घनानन्द का काव्य; लोकभारती प्रकाशन; साहित्य भवन; इलाहाबाद (1996)
8. रामसागर त्रिपाठी; मुक्तक काव्य की परम्परा और बिहारी; अशोक प्रकाशन; दिल्ली (1966)
9. सत्यदेव चौधरी; हिन्दी रीति परम्परा के प्रमुख आचार्य; हिन्दी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय; दिल्ली विश्वविद्यालय; दिल्ली ।

एम.ए. हिन्दी, उत्तरार्द्ध (तृतीय सेमेस्टर)
(सत्र 2009–10 से प्रभावी)

पूर्णांक : 100
समय : 3 घंटे

प्रश्न–पत्र 10(V) राजभाषा–प्रशिक्षण
निर्देश :

1. पाठ्यक्रम चार खण्डों में विभक्त है। पाठ्यक्रम में निर्धारित पाठ्य विषयों में से छः आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे; जिनमें से तीन प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। इसके लिए 60 (3 X 20) अंक निर्धारित हैं।
2. सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित दस लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे; जिनमें से पाँच प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 250 शब्दों में देना होगा। इनके लिए 20(5 X 4) अंक निर्धारित हैं।
3. सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर ही आधारित दस वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनके लिए 10(10X1) अंक निर्धारित है। इस प्रश्न में कोई विकल्प नहीं होगा।
4. प्रश्न–पत्र में अंतिम प्रश्न के रूप में, परीक्षार्थी से किसी अधिकारी को एक कार्यालयी पत्र लिखने के लिए कहा जाएगा। इस प्रश्न में कोई विकल्प नहीं होगा। इस प्रश्न के लिए दस अंक निर्धारित है।

पाठ्यक्रम में निर्धारित आलोचनात्मक, लघूत्तरी एंव वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के लिए पाठ्य विषय

प्रशासन व्यवस्था और भाषा; भारत की बहुभाषिता और एक सम्पर्क–भाषा की आवश्यकता; राजभाषा (कार्यालयी हिन्दी)की प्रकृति; राजभाषा विषयक संवैधानिक प्रावधान : राजभाषा अधिनियम (अनुच्छेद 343 से 351 तक), राष्ट्रपति के आदेश (1952, 1955, 1960), राजभाषा अधिनियम 1963; तथा संशोधित 1967), (राजभाषा संकल्प 1968); (यथानुमोदित 1971) राजभाषा नियम 1976; द्विभाषी नीति और त्रिभाषा सूत्र; हिन्दीतर राज्यों के प्रशासनिक क्षेत्रों में हिन्दी की स्थिति; अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर हिन्दी; हिन्दी के प्रचार–प्रसार में विभिन्न हिन्दी संस्थाओं की भूमिका; हिन्दी और देवनागरी लिपि के मानकीकरण की समस्या ।

संदर्भ सामग्री :

1. महेशचन्द्र गुप्त; प्रशासनिक हिन्दी; नई दिल्ली ।
2. भोलानाथ तिवारी एवं विजय कुलश्रेष्ठ; प्रारूपण, टिप्पण और प्रूफ–पठन वाणी; नई दिल्ली ।
3. भोलानाथ तिवारी; पत्र–व्यवहार निर्देशिका; वाणी; नयी दिल्ली ।
4. श्रीराम मुंढे; विज्ञापन के तत्व; वाणी; नई दिल्ली।
5. कैलाशचन्द्र भाटिया; राजभाषा हिन्दी; वाणी; नई दिल्ली।
6. शिवनारायण चतुर्वेदी; टिप्पण प्रारूप; वाणी; नई दिल्ली।
7. शिवनारायण चतुर्वेदी; टिप्पण प्रारूप; वाणी; नई दिल्ली ।
8. प्रेमचन्द पातंजलि; व्यावसायिक हिन्दी; वाणी; नई दिल्ली।
9. विनोद कुमार प्रसाद; भाषा और प्रौद्योगिकी; वाणी; नई दिल्ली ।
10. विजय कुमार मल्होत्रा; कम्प्यूटर के भाषिक अनुप्रयोग; वाणी; नई दिल्ली ।

एम.ए. हिन्दी, उत्तरार्द्ध (तृतीय सेमेस्टर)
(सत्र 2009–10 से प्रभावी)

पूर्णांक : 100
समय : 3 घंटे

प्रश्न–पत्र 10(VI) कोश–विज्ञान
निर्देश :

1. पाठ्यक्रम चार खण्डों में विभक्त है। पाठ्यक्रम में निर्धारित पाठ्य विषयों में से छः आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे; जिनमें से तीन प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। इसके लिए 60 (3 X 20) अंक निर्धारित हैं।
2. पाठ्यक्रम में निर्धारित पाठ्य विषयों में से दस लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे; जिनमें से पाँच प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 250 शब्दों का होगा। इनके लिए 20(5 X 4) अंक निर्धारित हैं।
3. पाठ्यक्रम पर में निर्धारित पाठ्य विषयों में से दस वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनके लिए 10(1X10) अंक निर्धारित है। इस प्रश्न में कोई विकल्प नहीं होगा।
4. प्रश्न–पत्र में दिए गए पाँच शब्दों की 'कोश' हेतु प्रविष्टियाँ तैयार करनी होंगी । इस प्रश्न में कोई विकल्प नहीं होगा। इस अंश के लिए 10 अंक निर्धारित हैं।

पाठ्यक्रम में निर्धारित आलोचनात्मक, लघूत्तरी एवं वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के लिए पाठ्य विषय

dks"k : परिभाषा और स्वरूप; कोश की उपयोगिता; कोश और व्याकरण का अंत : संबंध; कोश के भेद–समभाषी, द्विभाषी और बहुभाषी; एक कालिक और कालक्रमिक कोश, विषय कोश, पारिभाषिक कोश, व्युत्पत्ति कोश, समांतर कोश, अध्येता कोश, विश्व कोश, बोली कोश;
कोश निर्माण की प्रक्रिया : सामग्री संकलन, प्रविष्टिक्रम, व्याकरणिक कोटि, उच्चारण, व्युत्पत्ति, अर्थ (पर्याय, व्याख्या, चित्र) प्रयोग, उपप्रविष्टियाँ, संक्षिप्तियाँ, सन्दर्भ और प्रतिसन्दर्भ ।

संदर्भ सामग्री :

1. शिवनारायण चतुर्वेदी; हिन्दी शब्द सामर्थ्य; वाणी; नई दिल्ली ।
2. रविन्द्रनाथ श्रीवास्तव; भाषायी अस्मिता और हिन्दी; वाणी;नई दिल्ली ।
3. किशोरीदास वाजपेयी; हिन्दी की वर्तनी तथा शब्द विश्लेषण; वाणी;नई दिल्ली ।
4. विजय कुमार मल्होत्रा; कंप्यूटर के भाषिक अनुप्रयोग; वाणी;नई दिल्ली ।
5. राजमल बोरा; अर्थानुशासन (शब्दार्थ–विज्ञान); वाणी, नई दिल्ली ।

एम.ए. हिन्दी, उत्तरार्द्ध (तृतीय सेमेस्टर)
(सत्र 2009–10 से प्रभावी)

पूर्णांक : 100
समय : 3 घंटे

प्रश्न–पत्र 10(VII) हरियाणा का हिन्दी साहित्य

निर्देश :

1. समूचा पाठ्यक्रम चार खण्डों में विभक्त है – (क) सन्दर्भ सहित व्याख्या, (ख) आलोचनात्मक प्रश्न, (ग) लघूत्तरी प्रश्न (घ) वस्तुनिष्ठ प्रश्न ।
2. खण्ड–(क) सन्दर्भ सहित व्याख्या से संबंधित है। व्याख्यार्थ निर्धारित पुस्तक (हरियाणा की प्रतिनिधि कविता) में संकलित प्रथम पन्द्रह कवि (1. 2. 3. 4. 5. 6. 7. 8. 9. 10. 11. 12. 13. 14. 15.) में से छः अवतरण दिए जायेंगे, जिनमें से किन्हीं तीन अवतरणों की व्याख्या करनी होगी। यह खण्ड 30 (3 X 10) अंकों का होगा।
3. खण्ड–(ख) आलोचनात्मक प्रश्नों से संबंधित है। आलोचनात्मक प्रश्नों के लिए निर्धारित पाठ्य विषयों में से छः प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनमें से तीन प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। यह खण्ड 45 (15 X 3) अंकों का होगा ।
4. खण्ड–(ग) लघूत्तरी प्रश्नों से संबंधित है। निर्धारित पाठ्य विषयों में से दस प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से किन्हीं पाँच के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक उत्तर लगभग 250 शब्दों का होगा। इस खण्ड के लिए 15(5 X 3) अंक निर्धारित हैं।
5. खण्ड–(घ) वस्तुनिष्ठ प्रश्नों से संबंधित है। इस खण्ड के लिए पाठ्यपुस्तक (हरियाणा प्रतिनिधि कहानियाँ (1. 2. 3. 4. 5. 6. 7. 8. 9. 10.) निर्धारित है। इस पाठ्यपुस्तक में संकलित प्रथम दस कहानियों में से दस वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जायेंगे। इस प्रश्न में कोई विकल्प नहीं होगा। यह खण्ड 10(1X10) अंको का होगा ।

व्याख्या हेतु निर्धारित पाठ्यग्रन्थ

हरियाणा की प्रतिनिधि कविता, सम्पादक, माधव कौशिक, हरियाणा साहित्य अकादमी, पंचकुला; 2003

वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के लिए निर्धारित पाठ्यग्रंथ

हरियाणा : प्रतिनिधि कहानियाँ, सम्पादक, लालचन्द गुप्त 'मंगल', सम्पादक, हरियाणा साहित्य अकादमी, पंचकूला।

आलोचनात्मक एवं लघूत्तरी प्रश्नों के लिए निर्धारित पाठ्य विषय

हरियाणा : प्रागैतिहासिक एवं नामकरण; साहित्य–सृजन की प्राचीन परम्परा, जैन काव्य : परम्परा एवं प्रवृतियाँ; नाथ–सिद्ध काव्य परम्परा एवं प्रवृतियाँ; सन्त काव्य : परम्परा एवं प्रवृतियाँ; सूफी काव्यःपरम्परा एवं प्रवृतियाँ; रामकाव्य : परम्परा एवं प्रवृतियाँ; कृष्ण काव्य : परम्परा एवं प्रवृतियाँ, महाकाव्य : परम्परा और प्रवृतियाँ ।

संदर्भ सामग्री :

1. हरियाणा : एक सांस्कृतिक अध्ययन; साधुराम शारदा; भाषा विभाग हरियाणा, चण्डीगढ (पंचकूला); 1978
2. हरियाणा में रचित हिन्दी साहित्य; सत्यपाल गुप्त; भाषा विभाग हरियाणा, चण्डीगढ़ (पंचकूला), 1969
3. ''सप्तसिन्धु'' (हरियाणा साहित्य विशेषांक); भाषा विभाग हरियाणा, चण्डीगढ़ (पंचकूला) 1968
4. हरियाणा का हिन्दी साहित्य : उद्भव और विकास; शिव प्रसाद गोयल; नटराज पब्लिशिंग हाऊस करनाल; 1984

5. हरियाणा में रचित सृजनात्मक हिन्दी साहित्य; रामनिवास ''मानव'', कृति प्रकाशन, दिल्ली एवं हिसार; 1999
6. ''संभावना'' (हरियाणा का हिन्दी साहित्य विशेषांक) लालचन्द गुप्त ''मंगल'' , हिन्दी विभाग, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, 2001
7. हरियाणा की हिन्दी काव्य सम्पदा; शक्ति; सत्य–सुन्दर प्रकाशक, दिल्ली; 1997
8. हरियाणा के हिन्दी प्रबन्ध काव्य; महासिंह पूनिया; निर्मल बुक एजेन्सी, कुरुक्षेत्र; 1998
9. हरियाणा में रचित हिन्दी महाकाव्य; रामनिवास ''मानव''; अनिल प्रकाशन, दिल्ली; 2002
10. हरियाणा का हिन्दी साहित्य, लालचन्द गुप्त 'मंगल' हरियाणा साहित्य अकादमी, पंचकूला।